भारतीय खान ब्यूरो, मुख्यालय, नागपुर में दिनांक : 19/12/2024 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन

भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन एवं हिंदी के प्रचार – प्रसार व प्रगति के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए भारतीय खान ब्यूरो, मुख्यालय, नागपुर में दिनांक : 19 दिसंबर, 2024 को अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस हिंदी कार्यशाला में कुल 27 अधिकारी एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सर्वप्रथम खान नियंत्रक एवं राजभाषा अधिकारी डॉ. योगेश जी. काले ने हिंदी कार्यशाला की प्रस्तावना रखते हुए प्रतिभागियों को कार्यशाला के समस्त सत्रों की संक्षिप्त जानकारियां दीं।

हिंदी कार्यशाला में भारतीय खान ब्यूरो के श्री अभिनय कुमार शर्मा, संपादक ने ''हिंदी टंकण एवं हिंदी अनुवाद", श्री सतीश चौरे, भंडार अधिकारी ने ''भंडार प्रक्रिया संबंधी नियम", श्री अवनीश कौशिक, प्रशासन अधिकारी ने ''ई-ऑफिस एवं ई-बिल एचआरएमएस" एवं श्री असीम कुमार, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी द्वारा ''हिन्दी वर्तनी" पर व्याख्यान दिए गए।

अपने व्याख्यान में श्री सतीश चौरे, भंडार अधिकारी द्वारा ''भंडार प्रक्रिया संबंधी नियम", विषय पर व्यापक रूप से अपने विचार रखें तथा प्रतिभागियों की इसकी विस्तृत जानकारी दी।

अपने व्याख्यान में श्री अभिनय कुमार शर्मा, संपादक द्वारा हिन्दी टंकण में आने वाली समस्याओं व कठिनाईयों का समाधान कराया गया। साथ ही उनके द्वारा अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद करने हेतु कंठस्थ साफ्ॅटवेयर की विस्तृत जानकारी दी गई।

श्री अवनीश कौशिक, प्रशासन अधिकारी द्वारा ई-ऑफिस में ई-बिल से संबंधित जैसे – एल.टी.सी, सी.जी.एच.एस. आदि बिल संबंधी बनाने के बारे में बताया गया। साथ ही, एच.आर.एम.एस. के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

श्री असीम कुमार, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी द्वारा "हिन्दी वर्तनी" में होने वाली छोटी – छोटी त्रुटियों की विस्तृत जानकारी दी गई एवं प्रतिभागियों को"हिन्दी वर्तनी" का अभ्यास भी कराया गया।

कार्यशाला में सभी प्रतिभागियों ने अपनी विशेष रूचि दिखाते हुए व्याख्याताओं से अपनी समस्याओं का निवारण किया साथ ही ऐसी कार्यशाला समय – समय पर नियमित रूप से आयोजित किए जाने की इच्छा व्यक्त की।

कार्यशाला के पश्चात् सभी प्रतिभागियों से कार्यशाला के विषय में उनकी प्रतिक्रियाएं भी प्राप्त की गई। सभी प्रतिभागियों ने सकारात्मक प्रतिक्रियाएं व्यक्त की साथ ही यह भी कहा कि कार्यशाला में व्याख्याताओं के साथ विचार – विमर्श आवश्यक है तथा प्रतिभागियों ने सुझाव दिया कि इस प्रकार की हिंदी कार्यशाला समय – समय पर होनी चाहिए तथा तकनीकी विषयों पर भी कार्यशाला आयोजित करने के सुझाव दिए। साथ ही यह भी कहा कि ऐसी कार्यशालाओं से सरकारी कामकाज में काफी मदद मिलती है तथा इस कार्यशाला को पूरी तरह से परिपूर्ण बताया।

अंत में श्री अभिनय कुमार शर्मा, संपादक द्वारा दिए गए धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई।